पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित:01.10.2020 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली—110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित। — अनिल आर्य

वर्ष-37 अंक-9 आश्विन-2076 दयानन्दाब्द 197 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2020 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.10.2020, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने अपने उद्घोष ''जहां नहीं होता कभी विश्राम, आर्य युवक परिषद् है उसका नाम'' को सार्थक करते हुए करोना काल में भी 100 कार्यक्रम जूम व गूगल मीट द्वारा वेबनार द्वारा करके इतिहास रचाः 700 से अधिक समाचार पत्रों मे कवरेज हुई। चाहे आर्य युवक शिविर या आर्य कन्या शिविर हो, साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, चिकित्सक, बुद्विजीवी, संगीतकार, वैदिक विद्वान, योगाचार्य या शिक्षाविद सभी ने अपने प्रेरक वचनों से जनहित में कृतार्थ किया

21वें कारगिल विजय दिवस पर कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि

सैनिक, आर्थिक, मानव संसाधन से समृद्ध भारत का निर्माण करें —शिक्षाविद डॉ अशोक कु चौहान

युवाओं में देश भक्ति की भावना मजबूत राष्ट्र का आधार—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 26 जुलाई 2020,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 21 वे कारगिल विजय दिवस पर ऑनलाइन श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर भारतीय सेना के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।यह कोरोना काल मे परिषद का 64वां वेबिनार था। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ अशोक कु चौहान(संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी शिक्षण संस्थान) ने कहा कि आज हमारे ओजस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महाशक्ति बनने की ओर आगे बढ़ रहा है । हमें भारत को सैनिक शक्ति,आर्थिक शक्ति और मानव संसाधन को मजबूत करके देश को मजबूत बनाना है कि कोई भारत की ओर आंख उठाकर न देख सके । डॉ चौहान ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है हमारी मजबूत सेना हर परिस्थिति में देश की रक्षा करने में सक्षम है ।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि युवाओं में देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत करने की आवश्यकता है ।आज कई जगह विद्रोह का स्वर सुनाई देता है उसे सख्ती से कुचलने की आवश्यकता है , भारत मे रहकर, यहाँ का खा पी कर विदेशी गुणगान करने वाले देश भक्त नहीं हो सकते । मेजर जनरल (रिटायर्ड) श्री आर के एस भाटिया जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए इस सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी।उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से 2,00,000 सैनिकों को कारगिल युद्ध मे भेजा था। यह युद्ध आधिकारिक रूप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 550 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे। उन्होंने

(शेष पृष्ठ 4 पर)

आर्य युवक निर्माण शिविर सम्पन्न

महर्षि दयानंद के संदेश को युवाओं तक पहुँचाये—आदेश गुप्ता,अध्यक्ष,भाजपा दिल्ली प्रदेश

रविवार 7 जून 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ऑनलाइन चल रहे आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का समापन हो गया। समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि युवाओं को संस्कारवान बनाने की महती आवश्यकता है।महर्षि दयानंद के आदर्शों पर चल कर ही जीवन में बदलाव आ सकता है।उन्होंने जीवन में नैतिक मूल्यों व माता पिता के प्रति कर्तव्यों के लिए जागरूक किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज की विचारधारा पर चलने से विश्व का कल्याण हो सकता है।संस्कारो से ही व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है। समारोह अध्यक्ष डॉ आर के आर्य(निदेशक,स्वदेशी आयुर्वेद,हरिद्वार) ने कहा कि आर्य युवक परिषद का चरित्र निर्माण का कार्य सराहनीय है।आज बच्चों को संस्कार देने की अत्यंत आवश्यकता है। प्रांतीय महामंत्री प्रवीणआर्य ने कहा कि 30 जून तक भिन्न भिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित होते रहेंगे।प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कुशल संचालन किया।आर्य युवाओं द्वारा भजन,गीत,व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम हुए। प्रमुख रूप से यशोवीर आर्य, आनन्द प्रकाश आर्य,महेन्द्र भाई, प्रवीन आर्या,वीना वोहरा,यज्ञ वीर चौहान,देवेन्द्र भगत,धर्म पाल आर्य,के के यादव,सुरेश आर्य, वेदप्रकाश आर्य आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद का 43वां राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

अनिल आर्य पुनः सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

केन्द्र सरकार अविलम्ब जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करे—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 6 सितम्बर 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद का 43वां राष्ट्रीय अधिवेशन ऑनलाइन गूगल मीट पर सोल्लास संम्पन्न हुआ। आगामी दो वर्ष के लिए अनिल आर्य को पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया और उन्हें शेष कार्यकारिणी व अन्तरंग सभा का गठन करने का अधिकार दिया गया। उन्होंने महेन्द्र भाई को राष्ट्रीय महामंत्री व धर्मपाल आर्य को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। यह कोरोना काल मे परिषद का 85वां वेबिनार था।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि देश मे एक वर्ग विशेष की बढ़ती जनसंख्या विस्फोटक होती जा रही है जिससे देश के संसाधनों व संप्रभुता पर खतरा बढ़ रहा है इसलिए समय की मांग है कि केंद्र सरकार अविलम्ब जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करे।उन्होंने कहा कि आज देश मे हिंदु समाज को संगठित होने की आवश्यकता है सभी हिन्दू जातिगत भेदभाव,ऊंच नीच को भुला कर सबको गले लगायें व भेदभाव समाप्त कर और एक साथ आकर हिन्दुत्व की रक्षा का संकल्प लें। साथ हीं उन्होंने अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण पर भी हार्दिक बधाई दी। राष्ट्रीय महामंत्री महेन्द्र भाई ने परिषद द्वारा वर्ष 2019—20 के मुख्य गतिविधियों जैसे—राष्ट्रीय अधिवेशन,सेवा शिविर, धरना प्रदर्शन, शोभायात्रा, आर्य महासम्मेलन, थाईलैंड यात्रा, टंकारा यात्रा, 85 वेबिनार का विवरण, 70 युवा संस्कार कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने परिषद के आगामी सत्र के लिए अनिल आर्य जी का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए प्रस्तुत किया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने प्रस्ताव का अनुमोदन कर समर्थन किया व सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिये अनिल आर्य जी पुनः आगामी दो वर्षों के लिए निर्वाचित हुए। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद अनिल आर्य जी के नेतृत्व में इसी प्रकार निरन्तर आगे बढ़ती रहेगी। कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए खेल प्रतियोगिताओं, युवा निर्माण शिविरों व युवा संस्कार अभियान आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर योगीराज ब्र. विश्वपाल जयंत (कोटद्वार, उत्तराखंड), सुभाष बब्बर (जम्मू कश्मीर), स्वतंत्र कुकरेजा (करनाल, हरियाणा), अजेय सहगल (डलहौजी, हिमाचल), आचार्य भानु प्रताप वेदालंकार (इंदौर,मध्यप्रदेश),रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड, राजस्थान), रामकुमार सिंह (दिल्ली प्रदेश), यशोवीर आर्य (दिल्ली),अरुण आर्य (दिल्ली प्रदेश), आनन्द प्रकाश आर्य (हापुड़,उत्तर प्रदेश), कर्नल अनिल आहूजा (लखनऊ), शंकरदेव आर्य (खंडवा, मध्यप्रदेश),रूपेंद्र आर्य(अलीगढ़), हरिचंद स्नेही (सोनीपत),वीरेन्द्र योगाचार्य (फरीदाबाद) आदि ने अपने विचार रखें। मुख्य रूप से देवेन्द्र भगत (दिल्ली),दुर्गेश आर्य (दिल्ली), उर्मिला आर्य (गुरुग्राम),यज्ञवीर चौहान (गाजियाबाद)रमेश खजूरिया(जम्मू),ईश्वर आर्या (अलवर),मोहित आर्य (मथुरा), अशोक जागड़ (रोहतक),देवेन्द्र गुप्ता(इंद्रापुरम) आदि ने भी अपने विचार रखें।सभी ने युवा संस्कार कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी को देशभक्त व संस्कार वान बनाने का संकल्प लिया।ओम सपरा ने कहा कि वैदिक साहित्य के प्रकाशन द्वारा नई पीढ़ी को महर्षि दयानन्द व वैदिक संस्कृति से जोड़ा जाएगा।

गठिया व जोड़ों के दर्द पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

शाकाहार व दिनचर्या में बदलाव से गठिया व जोड़ दर्द में लाभ — डॉ सुव्रत आर्य(MD,DM)

शरीर को स्वस्थ रखना हमारा पहला कर्तव्य —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 23 अगस्त 2020,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की ओर से गठिया व जोड़ों के दर्द विषय पर ऑनलाइन आर्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल मे परिषद का 78वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ सुव्रत आर्य(MD, DM जेपी अस्पताल, नई दिल्ली) ने कहा कि रूमेटॉयड अर्थराइटिस यानी गठिया और जोड़ों का दर्द एक दर्दनाक रोग और धीरे—धीरे शरीर के सभी जोड़ को प्रभावित करता है। सभी जोड़ों में असहनीय दर्द होता है।गठिया का रोगी सालों साल इलाज करवा कर भी ठीक नहीं हो पाते और इसमें सारी उम्र दवा खानी पड़ती है। यूरिक हमारी किडनियों और जोड़ों में इकट्ठा होकर वहां गठिया गुर्दों की पथरी और खराबी जैसे लक्षण पैदा करता है। उन्होंने कहा कि सबसे पहला कार्य वजन को कम करें व नियंत्रित रखें, शाकाहार अपनाये, नियमित व्यायाम करें,साइक्लिंग करने से, विटामिन डी व बादाम आदि के सेवन से गठिया व जोड़ों के दर्द में लाभ सम्भव हो सकता है।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वस्थ रहना सबसे बड़ा सुख है।कहावत भी है— श्पहला सुख निरोगी कायाश। कोई आदमी तभी अपने जीवन का पूरा आनन्द उठा सकता है,जब वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहे। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी शारीरिक स्वास्थ्य अनिवार्य है।ऋषियों ने कहा है श्शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्श अर्थात् यह शरीर ही धर्म का श्रेष्ठ साधन है।यदि हम धर्म में विश्वास रखते हैं और स्वयं को धार्मिक कहते हैं, तो अपने शरीर को स्वस्थ रखना हमारा पहला कर्तव्य है।यदि शरीर स्वस्थ नहीं है,तो जीवन भारस्वरूप हो जाता है। मुख्य अतिथि आर्य नेता वेदप्रकाश आर्य (पूर्व ।ब्व, दिल्ली पुलिस) ने इस प्रकार के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों की आज आवश्यकता है।समय समय पर ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए। अध्यक्षता करते हुए आर्य नेता आर पी सूरी ने कहा कि ष्करो योग रहो निरोगष् आज के समय में योग व आयुर्वेद से सभी अपने को स्वस्थ रख सकते हैं।यदि योग को अपनाएंगे तो किसी भी रोग से बच सकते हैं। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि योग ही जीवन का आधार है,सूर्य नमस्कार से शरीर लचीला बनता है।इस बहुमुखी योगासन से विशुद्धि चक्र,पाचन तंत्र प्रभावित होता है,स्मृति शक्ति बढ़ती है,यदि चश्मा लगा है तो चश्में का न.कम होता है,हार्ट मजबूत होता है,बॉडी का ग्रोथ व हाइट बढ़ती है,स्वास्थ्य अच्छा होताहै,आदतें सुधरती हैं,एनर्जी लेवल बढ़ता है,फिर शव आसान में विश्राम करने से ऊर्जा ऊष्मा पूरे शरीर मे समाहित होती है। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा व वैदिक साहित्यों में वर्णित अनेकों रोगोपचार के लिए दिनचर्या व रात्रिचर्या का सभी को स्वस्थ रहने के लिए पालन करना चाहिए। गायिका संगीता आर्या,पुष्पा चुघ, दीप्ति सपरा,नरेन्द्र आर्य ष्सुमनष् प्रतिभा सपरा,प्रीति आर्या,संध्या पांडेय,वीरेन्द्र आहूजा,उर्मिला आर्या (गुरुग्राम),कविता आर्या, चन्द्र कान्ता आर्या आदि ने ओजस्वी गीतों से समा बांध दिया। आचार्य महेंद्र भाई,यशोवीर आर्य, दुर्गेश आर्य,विजयभूषण आर्य,डॉ सुषमा आर्या,सत्यवीर चौधरी, प्रकाशवीर शास्त्री,संतोष शास्त्री, अमरनाथ बत्रा,शशी चोपड़ा (कानपुर),वीना वोहरा,गीता गर्ग, सुनीता बुग्गा,देवेन्द्र गुप्ता,राजश्री यादव आदि उपस्थित रहे।

प्यारा बन्धन रक्षाबंधन पर आर्य विचार गोष्ठी सम्पन्न

समाज में सुरक्षा की भावना का निर्माण हो– वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी

राष्ट्रीयता के प्रतीक थे मैथली शरण गुप्त– राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार, 3 अगस्त 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में प्यारा बन्धन– रक्षाबंधन विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल मे परिषद का 68वां वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्य अखिलेश्वर जी (आनन्द धाम आश्रम, हरिद्वार) ने कहा कि समाज मे असुरक्षा का वातावरण बन रहा है प्रशासन व सरकार का दायित्व बनता है कि लोगों में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करे तथा उसके लिए यथा सम्भव प्रयास किये जाने चाहिए।रक्षाबंधन के अवसर पर नारी की सुरक्षा के साथ साथ प्रशासन प्रत्येक नागरिक व राष्ट्र के प्रत्येक वर्ग में सुरक्षा का वातावरण बनाने का संकल्प ले जिससे समाज मे विषमता का भाव उत्पन्न न हो।उन्होंने प्राकृतिक जीवनशैली और सकारात्मकता को अपनाने का आह्वान किया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने राष्ट्रीय कवि मैथिलीशरण गुप्त की 134वीं जयंती पर संबोधित करते हुए कहा कि उनके काव्य में राष्ट्रीय चेतना,धार्मिक भावना और मानवीय उत्थान प्रतिबिम्बित है। श्भारत भारतीश के तीन खण्ड में देश का अतीत,वर्तमान और भविष्य चित्रित है।वे मानववादी, नैतिक और सांस्कृतिक काव्यधारा के विशिष्ट कवि थे। हिन्दी में लेखन आरम्भ करने से पूर्व उन्होंने रसिकेन्द्र नाम से ब्रजभाषा में कविताएँ,दोहा, चौपाई,छप्पय आदि छंद लिखे। उनके द्वारा रचित काव्यों ने आजादी के दीवानों में उमंग व जोश भरने का कार्य किया।आज के कवियों को भी उनसे प्रेरणा लेकर राष्ट्रीयता की भावना का प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है। गोष्ठी के अध्यक्ष आर्य नेता वेदप्रकाश आर्य ने सभी को रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में शुभकामना संदेश प्रदान की। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने 5 अगस्त को राममंदिर भूमि पूजन पर आर्य समाज की ओर से सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि ये मंदिर श्री राम के गौरवशाली आदर्शों पर चलने का प्रतीक बनेगा।उन्होंने माँग की मंदिर में वैदिक संस्कृति के प्रचार प्रसार की व्यवस्था भी की जाए। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने संचालन करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी अपना दायित्व समझे और देश की संस्कृति व नारी के सम्मान करने का संकल्प ले। गायिका संगीता आर्य,वीना वोहरा,पुष्पा चुघ,नरेश खन्ना, संध्या पांडेय,देवेन्द्र गुप्ता,प्रतिभा सपरा,राजश्री यादव, सुलोचना देवी आदि ने सुन्दर गीत प्रस्तुत किये। मुख्य रूप से आचार्य महेंद्र भाई, आनन्द प्रकाश आर्य(हापुड़), अमरनाथ बत्रा,जगदीश मलिक,उर्मिला आर्या(गुरुग्राम), ओम सपरा,नरेश प्रसाद,विजेन्द्र गर्ग,प्रकाशवीर शास्त्री आदि उपस्थित थे।

हैदराबाद सत्याग्रह व श्रीकृष्ण जन्मोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद के निजाम को आर्य समाज ने झुकाया –स्वामी आर्यवेश, प्रधान सार्वदेशिक सभा

श्री कृष्ण का चरित्र योगिराज का रहा–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 12 अगस्त 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 1939 के हैदराबाद सत्याग्रह आंदोलन के बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई व योगेश्वर श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर ऑनलाइन उनके कार्यो को स्मरण किया गया। आर्य संन्यासी स्वामी आर्य वेश(प्रधान, अन्तराष्ट्रीय आर्य समाज) ने कहा कि निजाम हैदराबाद के अत्याचारों से तंग आकर आर्य समाज ने उन्हें 1937 में चेतावनी दी गई, फिर कोई असर न होने पर 1939 में राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन शुरू किया गया । देश भर से जत्थे आने शुरू हो गए आखिरकार निजाम को झुकना पड़ा आर्य समाज के 38 सत्याग्रही शहीद हुए । भारत सरकार ने 4000 आर्यो को स्वतंत्रता सेनानी स्वीकार कर पेंशन भी दी । सरदार पटेल ने यह स्वीकार किया कि यदि आर्य समाज ने हैदराबाद सत्याग्रह न किया होता तो भारत में उसे शामिल करना कठिन होता । उन्होंने कहा कि आर्य समाज का अर्थ था विद्रोह, क्रांति और बलिदान तभी महर्षि दयानंद जी से प्रेरणा पाकर हजारो लोग स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े और अनेकों शहीद हुए,लेकिन उनका कहीं जिक्र भी नहीं होता ।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हम हैदराबाद सत्याग्रह के बलिदानियों को सदैव याद रखे ,साथ ही क्रांतिकारी खुदी राम बोस के बलिदान दिवस पर याद करें । उन्होंने योगिराज श्री कृष्ण के जन्मोत्सव पर स्मरण करते हुए कहा कि वह योगेश्वर थे, उन्होंने जीवन पर्यन्त कोई बुरा काम नहीं किया । उन्होंने 12 वर्ष तक तप किया और उनकी एक ही पत्नी थी रुक्मिणी और बेटा था प्रधुम्न । राधा के साथ उनका नाम जोड़ना यह उनका चरित्र हनन और उनका अपमान है । महर्षि दयानंद जी सत्यार्थ प्रकाश में लिखते हैं कि इस मदभागवत वाले ने श्री कृष्ण के साथ बड़ा अन्याय किया है यदि यह न होता तो ऐसी श्री कृष्ण की दुर्गति न होती । योगेश्वर श्री कृष्ण के सच्चे स्वरूप को बताने व समझने की आज आवश्यकता है । सुप्रीम कोर्ट का निर्णय भी दुर्भाग्यपूर्ण व अज्ञानता का परिचायक है जिसमे उन्हें लिव इन रिलेशनशिप का उदाहरण दिया गया है यह निंदनीय है। अध्यक्षता करते हुए प्रेम प्रकाश शर्मा(मंत्री,तपोवन आश्रम देहरादून) ने कहा कि श्री कृष्ण नैष्ठिक ब्रह्मचारी थे उनपर लगाए सभी आरोप निराधार व गलत है। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि हम नयी पीढ़ी को श्री कृष्ण की सच्चे चरित्र से अवगत करवायेगे। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि हैदराबाद स्वतेन्त्रता सेनानियों के बलिदान को सदा याद रखा जायेगा। गायक नरेन्द्र आर्य सुमन, संगीता आर्या गीत,वीना वोहरा,संध्या पाण्डेय, उर्मिला आर्य,उषा मलिक, सुलोचना आर्या आदि ने गीत सुनाये। आचार्य महेन्द्र भाई ने धन्यवाद किया । देवेन्द्र भगत,यशोवीर आर्य,देवेन्द्र गुप्ता,विक्रम महाजन,अशोक बंसल,डॉ विपिन खेड़ा, सुरेन्द्र शास्त्री आदि उपस्थित थे।

शिशु रोग उपचार पर आर्य गोष्ठी सम्पन्न

शिशु रोगों के सामान्य उपचार की जानकारी माता पिता के लिए आवश्यक– डॉ आशीष खुराना (सिरसा)

मंगलवार 11 अगस्त 2020, केंद्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वाधान में शिशु रोग व उपचार विषय पर आयोजित ७१वें वेबिनार में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ आशीष खुराना (एम डी) ने कहा कि बच्चे पारिवारिक एवं राष्ट्रीय संपत्ति हैं और इन्हे रोगों से बचाने के लिए क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए इसकी अधिक से अधिक जानकारी उनके माता पिता को होनी चाहिए तभी उनका समय रहते उपचार सम्भव हो सकता है। पीलिया,कब्ज,बिस्तर गीला करना,टीकाकरण,आहार व स्तनपान का महत्व इन सभी शिशु रोगों के लक्षण,कारण व उपचार की ज्ञानवर्धक जानकारी बहुत सरल भाषा में देते हुए डॉ आशीष ने श्रोताओं के प्रश्नों का बहुत संतोषजनक उत्तर दिया। उन्होंने माता पिता को अपने बच्चों के साथ एक गहनिष्ठ भावपूर्ण रिश्ता स्थापित करने का सुझाव दिया जो हर रोग के निवारण में बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम के संयोजक केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने बच्चो के लालन पालन में ध्यान रखने की अपील की व गोष्ठी के अध्यक्ष आनन्द सिंह आर्य ने कोरोना काल मे घर बैठे उनके योगदान की सराहना की व सफल कार्यक्रम के लिए श्रोताओं का धन्यवाद किया। प्रान्तीय महा मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि बच्चे राष्ट्र की धरोहर है छोटी छोटी बातों का हमे पालन करना चाहिए। आचार्य महेंद्र भाई,यशोवीर आर्य,सौरभ गुप्ता,देवेन्द्र गुप्ता, देवेन्द्र भगत,प्रकाशवीर शास्त्री,के एल राणा,स्वतेन्त्र कुकरेजा,गीता गर्ग आदि उपस्थित थे। संगीता आर्या,पुष्पा चुघ,किरण सहगल,सुदेशवीर आर्य,संध्या पांडये,डॉ रचना चावला,वीना वोहरा आदि ने गीत सुनाये और योगिराज श्री कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री आनन्द सिंह आर्य (करनाल) ने की उन्होंने कोरोनावायरस महामारी के समय भी चल रहे ऑनलाइन कार्यक्रम को देख प्रसन्नता व्यक्त की।

श्रीराम मंदिर निर्माण पर संगीत बधाई गोष्टी सम्पन्न

श्रीराम मंदिर निर्माण से करोड़ों हिन्दुओ का आत्म विश्वास मजबूत हुआ–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

श्री राम के आदर्श सदैव प्रासंगिक –वीना वोहरा

मंगलवार, 4 अगस्त 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण की खुशी में संगीत बधाई गोष्टी का आयोजन किया गया तथा श्रीराम मंदिर निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। यह कोरोना काल मे 69वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि 493 वर्ष के लम्बे संघर्ष और बलिदान के पश्चात आज भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण अत्यंत प्रसन्नता देने वाला है। हम उन सभी बलिदानियों को नमन करते हैं। इससे विश्व में करोड़ों हिन्दुओं का आत्म विश्वास और स्वाभिमान मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी एवं योग शिक्षिका वीना वोहरा ने कहा कि श्रीराम जनमानस में विद्यमान हैं, श्रीराम के आदर्श सदैव प्रासांगिक हैं, हमें उनके संदेश को जन–जन तक पहुचाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि श्रीराम मंदिर निर्माण हिन्दू राष्ट्र निर्माण की दिशा में पहला कदम है,राष्ट्र,प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आगे बढ़ेगा। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि श्री राम से नयी युवा पीढ़ी प्रेरणा ग्रहण करेगी। प्रेरणा दायक गीतों से संगीता आर्या,पुष्पा चुघ,शान्ता तनेजा, नरेश खन्ना,किरण सहगल, डॉ रचना आहूजा,प्रवीन भाटिया आदि ने समा बांध दिया। आचार्य महेंद्र भाई,यशोवीर आर्य,दुर्गेश आर्य,चंद्र प्रभा अरोड़ा,सुदर्शन तनेजा,ओम सपरा,सुरेन्द्र शास्त्री ने भी अपने विचार रखे ओर ममता वोहरा, मीना लांबा व विजय कुमार मल्होत्रा आदि उपस्थित रहे।

शहीद उधम सिंह के बलिदान दिवस पर युवाओं की भूमिका पर गोष्ठी सम्पन्न

युवा ही देश की दशा और दिशा बदलेंगे –आचार्या आयुषी राणा

शहीद उधम सिंह का बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार 30 जुलाई 2020, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ष्शहीद उधम सिंह के 80वें बलिदान दिवस पर ष्वर्तमान परिपेक्ष्य में युवाओं की भूमिकाष् विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया । यह कोरोना काल मे परिषद का 66 वां वेबिनार था। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता सेनानी सरदार उधम सिंह ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के उत्तरदायी पंजाब के गर्वनर जनरल रहे माइकल डायर को लन्दन में जाकर गोली मारी थी।कई इतिहासकारों का मानना है कि यह हत्याकाण्ड डायर व अन्य ब्रिटिश अधिकारियों का एक सुनियोजित षड्यंत्र था, जो पंजाब पर नियंत्रण बनाने के लिए किया गया था। बाद में 31 जुलाई 1940 को 40 वर्ष की आयु में उन्हें पेंटनविले जेल(यू.के) में फांसी दे दी गई थी। वैदिक विदुषी आचार्या आयुषी राणा (आर्ष कन्या,गुरुकुल नजीबाबाद) ने कहा कि युवा शब्द को उल्टा किया जाए तो वायु होता है अर्थात जिसमे कुछ करने की लग्न हो वही युवा है।युवा समाज का वह हिस्सा है, जिसके द्वारा किसी देश का भविष्य निर्मित होता है। उसकी आयु के साथ–साथ उसकी आँखों में बड़े–बड़े स्वपनों की संख्या भी बढ़ती जाती है। इन्हीं स्वपनों की पूर्ति हेतु उसे जीवन में कई बार बड़े–बड़े जोखिम भी उठाने पड़ते हैं। संभव–असंभव के संशय त्यागने पड़ते हैं।युवा का तात्पर्य अवस्था से नही अपितु युवा वो है जिसमे तीव्रता,हिम्मत व ताकत ये तीनों गुण विद्यमान हो। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि युवा शक्ति देश और समाज की रीढ़ होती है। स्वतंत्रता आंदोलन के क्रांतिकारी शहीद उधम सिंह का 80 वां बलिदान दिवस है उनका बलिदान सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। युवा देश और समाज को नए शिखर पर ले जाते हैं।युवा देश का वर्तमान हैं, तो भूतकाल और भविष्य के सेतु भी हैं। युवा गहन ऊर्जा और उच्च महत्वकांक्षाओं से भरे हुए होते हैं।समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का ही होता है।देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महर्षि दयानंद से प्रेरणा पाकर हजारों नौजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए आर्य नेत्री अंजू जावा ने शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के महान सेनानी, क्रान्तिकारी सरदार उधम सिंह के 80वें बलिदान दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके जीवन चरित्र से नई पीढ़ी को परिचित करवाने का आह्वान किया। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने गोष्ठी का संचालन करते हुए देश के युवाओं को शहीद भगतसिंह,राजगुरु, सुखदेव, सरदार उधम सिंह, चंद्रशेखर आजाद,पंडित रामप्रसाद बिस्मिल से देश भक्ति की प्रेरणा लेने का आह्वान किया। गायिका संगीता आर्या,बिन्दु मदान, उर्मिला आर्या (गुरुग्राम),राजश्री यादव,पुष्पा चुघ,वंदना जावा,मनीषा ग्रोवर,नरेश खन्ना,मधु खेड़ा,उषा मलिक आदि ने सुन्दर गीतों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया ।प्रमुख रूप से आचार्य महेंद्र भाई,यशोवीर आर्य,देवेन्द्र भगत, प्रेम कुमार सचदेवा, डॉ अंजू मेहरोत्रा, प्रकाशवीर शास्त्री,राजेश मेंहदीरत्ता,देवेन्द्र गुप्ता,अमरनाथ बत्रा,डॉ रचना चावला,धर्मपाल परमार(पी एम ओ) आदि उपस्थित थे ।

(पृष्ठ 1 का शेष)

भारत सरकार से मांग की कारगिल में शहीद 550 सैनिकों की वीर गाथा सभी को पता चले इसके लिए सरकार पाठ्यक्रम में सम्मिलित करें मेजर जनरल (रिटायर्ड) टैड डॉ सुरेन्द्र मोहन ने कहा कि आर्य समाज ने भारत को कई वीर सैनिक प्रदान किये हैं। ऋषि दयानन्द से प्रेरणा लेकर कई युवा सैनिक बनकर देश की सेवा में कार्यरत हैं। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने कहा कि भारतीय सेना ने आजादी के बाद पांच बड़े युद्ध लड़े हैं। जिसमे कारगिल युद्ध सबसे बड़ी विजय के रूप में सम्मिलित है। आर्य नेता आनन्द चौहान व कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी जी ने कारगिल में शहीद सैनिकों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता, अनिता आर्या, संगीता आर्या, पुष्पा चुघ, वंदना जावा, मधु खेड़ा आदि ने देश भक्ति पूर्ण गीत सुनाये। प्रमुख रूप से आचार्य महेन्द्र भाई, यशोवीर आर्य, आनन्द प्रकाश आर्य (हापुड़), देवेन्द्र भगत, नरेन्द्र आर्य सुमन, दुर्गेश आर्य, जगदीश मलिक, वीना वोहरा, रचना आहूजा, देवेन्द्र गुप्ता, राजेश मेहंदीरत्ता, आस्था आर्या, प्रेम सचदेव, ओम सपरा आदि उपस्थित थे।

करोना ले गया अच्छे अच्छों की जान

करोना काल में 22 मार्च 2020 से हजारों लोग करोना की बलिवेदी पर मृत्यु को प्राप्त हो गये, आर्य जगत के प्रमुख रूप से आर्य नेता श्री रामनाथ सहगल, स्वामी धर्मेश्वरानन्द जी, स्वामी धर्ममुनि जी, स्वामी अग्निवेश जी, श्रीमती चन्द्रप्रभा रखेजा, श्रीमती सुदर्शन लाम्बा, श्री मनमोहन मेहता, श्री गुरदीनप्रसाद रस्तोगी, श्री विश्वनाथ आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पं.धनेश्वर बेहरा, प्रान्तीय अध्यक्ष उड़ीसा, श्रीमती सुधीर घई, श्री रमेश गिरोत्रा आदि अनेकों नाम है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् सभी नाम गुमनाम दिंवगतों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है।

साथ ही करोना योद्धाओं–चिकित्सक, नर्स, वार्ड ब्वाय, ड्राईवर, एम.सी.डी. कर्मचारी, पुलिस व सेना के जवानों एवम् मीडिया कमियों को उनकी सेवाओं के लिये नमन करता है।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970